

निजी दोनों ही जर्नों के प्राकटानों को इस लागू करने की सुझा दी गई है।

Installation of Computer system at Hindustan Zinc Limited, Udaipur

729. SHRI LALJI BHAI: Will the Minister of STEEL AND MINES be pleased to state:

(a) whether there is a proposal to instal computer system at Hindustan Zinc Ltd., Udaipur; and

(b) if so, in what way it will be used and how much the company will be benefited by this gadget?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF STEEL AND MINES (SHRI SHAHNAWAZ KHAN): (a) and (b) There is no proposal to instal computer system in the Hindustan Zinc Ltd, Udaipur. The company has, however, recently installed a Punch Record Accounting Machine to facilitate better inventory control, timely procurement of stores and efficient cost control.

Setting up of a Sponge Iron Plant at Jamshedpur

730. SHRI RAM PRAKASH:
SHRI JHARKHANDE RAI:

Will the Minister of STEEL AND MINES be pleased to refer to the reply given to Unstarred Question No. 377 on the 16th March, 1972 regarding setting up of Sponge Iron Plant at Jamshedpur and state:

(a) the estimated cost involved in the Plant; and

(b) whether any foreign assistance will be required?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF STEEL AND MINES (SHRI SHAHNAWAZ KHAN): (a) Present estimates for setting up a Pilot Plant for testing the suitability of various raw materials for production of sponge iron work out to about Rs. 50 lakhs.

(b) The National Metallurgical Laboratory, Jamshedpur have invited tenders for plant and equipment. It is too early to indicate whether it would

be necessary to obtain any design documentation and components from abroad.

Harassment of Indians in U. K.

731. SHRI RAM PRAKASH: Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether attention of Government has been drawn to news item appearing in the 'Hindustan Times' of the 3rd July, 1972 regarding harassment of Indian visitors in U. K.; and

(b) if so, the steps which Government propose to take in the matter.

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI SURENDRA PAL SINGH): (a) Yes, Sir.

(b) Government have taken up the matter with the British authorities on a number of occasions and hope that as a result of these demarches treatment accorded to visitors from India on arrival at ports of entry in the UK would improve.

Import of Technology for Salem Steel Plant

732. SHRI RAM PRAKASH:
SHRI JAGANNATH MISHRA:

Will the Minister of STEEL AND MINES be pleased to state:

(a) whether Government are contemplating to import technology for Salem Steel Plant;

(b) whether Government had earlier made commitment for utilisation of Heavy Engineering Corporation in setting up of new plants; and

(c) if so, the reasons for deviation now?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF STEEL AND MINES (SHRI SHAHNAWAZ KHAN): (a) Government are considering the question of acquiring process know-how for the manufacture of stainless steel at Salem Steel Plant.

(b) The Policy of Government is to maximise the indigenous contribution for manufacture of plant and equipment required for the new steel plants

and the capacity of the Heavy Engineering Corporation would be utilised to the maximum possible extent.

(c) Does not arise

हिन्दुस्तान जिग लिमिटेड की उत्पादन क्षमता

733. डा० लक्ष्मीनारायण पांडेय . क्या इस्पात और खान मंत्री हिन्दुस्तान जिग लिमिटेड की उत्पादन क्षमता के बारे में 18 मई, 1972 के तारांकित प्रश्न संख्या 888 के उत्तर के सबंध में यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या हिन्दुस्तान जिग लिमिटेड को वर्ष 1971-72 में 25 लाख रुपये की हानि हुई थी,

(ख) क्या हिन्दुस्तान जिग लिमिटेड को वर्ष 1971-72 में वास्तव में 50 लाख रुपये से अधिक की हानि हुई, और

(ग) यदि हाँ, तो इस हानि के क्या कारण हैं?

इस्पात और खान मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री शाहनवाज खाँ) . (क) और (ख). हिन्दुस्तान जिग लिमिटेड के 1971-72 के लेखे अभी तक संपरोक्षित नहीं किए गए हैं। अंतिम लेखे वर्ष के लिए लगभग 29 लाख रुपये की हानि दर्शित करते हैं।

(ग) हानि के मुख्य कारण उत्पादन की लागत में वृद्धि और मयत्रों की अपनी क्षमता से निम्न स्तर पर कार्य करना है।

दुर्गापुर इस्पात संयंत्र को हुई हानि

734. डा० लक्ष्मीनारायण पांडेय . क्या इस्पात और खान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या दुर्गापुर इस्पात संयंत्र को वर्ष 1971-72 में 30 करोड़ रुपये की हानि हुई है ;

(ख) यदि हाँ, तो इसके क्या कारण हैं ; और

(ग) इस हानि को समाप्त करने अथवा कम करने के लिए क्या उपाय किये जा रहे हैं ?

इस्पात और खान मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री शाहनवाज खाँ) (क) और (ख) : वर्ष 1971-72 में दुर्गापुर इस्पात कारखाने को 27.04 करोड़ रुपये (अस्थायी) की हानि हुई है। हानि के मुख्य कारण कम उत्पादन जो केवल 700,000 टन इस्पात पिण्ड था, कीमतों पर प्रभाव डालने वाले तत्वों के कारण लागत में वृद्धि जैसे वेतन तथा मजूरी में वृद्धि, मयत्र तथा उपस्कार के पुराने हो जाने के कारण अधिक रख-रखाव की आवश्यकताओं के लिए स्टोर तथा फालतू पूजों का अधिक खपत, स्टोर तथा फालतू पूजों कच्चे माल के मूल्य तथा बिजली की दर में वृद्धि आदि थे।

(ग) हिन्दुस्तान स्टील लिमिटेड के प्रबन्धक उत्पादन बढ़ाने के लिए भरसक प्रयत्न कर रहे हैं और उन्होंने इस दिशा में बहुत से उपाय किये हैं जिनमें कोक ओवनो की मरम्मत, कोक ओवन गैस की उपलब्धि बढ़ाने के लिए वैकल्पिक/सहायक ईंधनों का उपयोग, जहा तक 70 ° C हो खले मुह की भट्टियों में आबिदजन लैसिंग का प्रयोग, उपकरणों की अच्छी उपलब्धि के उद्देश्य से रख-रखाव में सुधार, पूजीगत कार्यक्रमों को शीघ्रतासे पूरा करना, फालतू पूजों, ऊष्मसह तथा अन्य आवश्यक माल की योजनाबद्ध प्राप्ति शामिल है। औद्योगिक संपर्क के क्षेत्र में औद्योगिक विवादों तथा कठिनाइयों को तेजी से निपटाने के लिये तथा अधिकारिणिक उत्पादन प्राप्त करने के लिए कामगारों का सहयोग प्राप्त करने के लिए एक त्रिपक्षीय संयुक्त सलाहकार मशीनरी की स्थापना की गई है।